

## तेरा किस ने किया सिंगार सांवरे

तेरा किसने किया श्रृंगार सांवरे,  
तू लगे दूल्हा सा दिलदार सांवरे ।

मस्तक पर मलियागिरी चन्दन,  
केसर तिलक लगाया ।  
मोर मुकुट कानो में कुण्डल,  
इत्र खूब बरसाया ।  
महकता रहे यह दरबार सांवरे,  
तेरा किसने किया श्रृंगार सांवरे ॥

बागो से कलियाँ चुन चुन कर,  
सुन्दर हार बनाया ।  
रहे सलामत हाथ सदा वो,  
जिसने तुझे सजाया ।  
सजाता रहे वो हर बार सांवरे  
तेरा किसने किया श्रृंगार सांवरे ॥

बोल सांवरे बोल तुम्हे मैं,  
कौन सा भजन सुनाऊँ ।  
ऐसा कोई राग बतादे,  
तू नाचे मैं गाऊँ ।  
नचाता रहूँ मैं हर बार सांवरे,  
तेरा किसने किया श्रृंगार सांवरे

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33671/title/Tera-kisne-Kiya-shingaar-sanwre>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |